कक्षा - तीसरी
विषय - हिन्दी

अध्याय - 1
चंदा गिनती भूल गया

शब्दार्थ :-

चंदा - चंद्रमा
झाँकना - छिप-छिपकर देखना
सूरज - सूर्य
रूठना - नाराज होना
आसमान - गगन

प्रश्न-1 प्रश्नोत्तर

प्रश्न-1 अगर सूरज को गाँव के बच्चे न मिलते तो वह तारों को कैसे गिनता?

उत्तर → अगर सूरज को गाँव के बच्चे न मिलते तो वह कभी भी तारों को गिन नहीं पाता।

प्रश्न-2 सूरज और चाँद न होते तो क्या होता?

उत्तर → सूरज और चाँद न होते तो हम भी नहीं होते।

Date
Page

प्रश्न-3 सूरज ने तारों को कहाँ- कहाँ ढूंढा? सूरज तारे को क्यों नहीं मिला?

उत्तर → सूरज ने तारों को बादलों के पीछे चट्टानों के नीचे तलाश पेड़ों के पीछे ताका। तारे रात में निकलते है। और सूरज दिन में निकलता है। इसलिए सूरज को तारे नहीं मिले।

प्रश्न-4 तारों को गिनने में सूरज के अलावा चंदा की मदद और कौन कर सकता था! वह तारों को कैसे गिनता?

उत्तर → तारों को गिनने में सूरज के अलावा चंदा की मदद और बच्चे कर सकते थे। क्योंकि धरती पर जितने बच्चे प्यारे- प्यारे आसमान में है। उतने ही तारे।

प्रश्न-2 सही औ उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(1) रोज रात को कौन निकलता है?

(क) सूरज ☐ (ख) बच्चे ☐ (ग) तारे ☑

(2) चंदा क्या गिनने लगा?

(क) पक्षी ☐ (ख) बच्चे ☐ (ग) तारे ☑

(3) चँदा कैसे रो रहा था?

(क) हो-हो ☐ (ख) ऊँ-ऊँ ☑ (ग) म्यू-म्यू

(4) कौन बताया आसमान में कितने तारे?

(क) सूरज ☐ (ख) बच्चे ☑ (ग) तारे

प्रश्न -3 सही तथा गलत का निशान लगाओ -

(क) चंदा रोज तारों को गिनकर बहुत खुश होता है था। (✗)

(ख) तारों को गिनने में सूरज ने चँदा की मदद की। (✓)

(ग) चँदा की तरह सूरज भी तारे नहीं गिन पाया। (✓)

(घ) आसमान में अनगिनत तारे है। (✓)